

as National Waterways with immediate effect and that they are properly maintained as assured in the past. Thank you Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, Mr. Shiv Kumar Mishra. Not here. Yes, Mr. Khaleelur Rahman.

Need to create a separate Ministry to look after the affairs of Minorities

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान (अन्ध्र प्रदेश) : मोहम्मद डिण्टी चैयरमैन साहिब, जैसा कि सब अच्छी तरह जानते हैं कि हिन्दुस्तान एक अजीम जम्हूरी मुल्क है और इस मुल्क में यह कानून लिहाज तादाद में करोड़ों की तादाद में अकललियतें रहती हैं और बसती हैं और अकललियतों का इतमीनान हमारे मुल्क की रूह है। जम्हूरियत उसी वक्त कायम हो सकती है, जबकि इस मुल्क की अकललियतें इतमीनान से अपनी जिदगी यहां पर बसर करें।

हिन्दुस्तान को आजाद हुए कोई 40 साल हो चुके हैं और इस अरसे में अकललियतों के भी मसायल में दिन ब दिन इजाफा होते रहे हैं। जहां तक मजहबी अकललियतों का सवाल है, मुसलमान, ईसाई, सिख, पारसी और जैन ये सब मिल करके यहां अकललियतें कहलाई जाती हैं। इस लिहाज से इनमें तकरीबन 80 फीसदी मुस्लिम अकललियत हैं। जरूरत इस बात की है कि इनके मसायल की मुनासिब और मोजू तरीके से देखभाल की जाय। मर्कजी हुकूमत और रियासती हुकूमतें अकललियतों के फलान बहबूद के लिए मुक्तलिफ एलानात करती है और प्रोग्राम बनाती है। चुनावे हमने यह देखा कि वजीरे-आजम की जानिब से भी अकललियतों के वेलफेयर के लिए 15 नुकाती प्रोग्राम बनाए गए। मगर मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जिस तरीके से इस प्रोग्राम का इम्प्लीमेंटेशन होना चाहिए, उस तरीके से प्रोग्राम का इम्प्लीमेंटेशन नहीं हुआ। इसकी वजह क्या है? इसकी सिर्फ एक ही वजह यह छालूम होती है कि प्रोपर कंसन्ट्रेशन और प्रोपर फोलो-अप न होने की वजह से इस प्रोग्राम में मुनासिब इम्प्लीमेंटेशन नहीं हो रहा है।

इसके अलावा हम यह देख रहे हैं कि मुस्लिम के जो आँकाफी मसायल हैं, हज के मसायल हैं, उनकी तालिमी मसायल हैं, मन्नाषी मसायल हैं, इन सब के लिए मैं हुकूमत ए-हिंद से यह अपील करता हूँ कि एक अलहदा मिनिस्ट्री बनाई जाय और यह मिनिस्ट्री तमाम माइनोरिटीज के जितने भी अफेयर्स हैं, उन सब की देखभाल करे, तभी मैं समझता हूँ कि यह मसायल जो है, हल हो सकते हैं।

हम यह देखते हैं कि जहां तक आँकाफी जायदाद का सवाल है, हमारे मुल्क में करोड़ों और अरबों की मालीयत आँकाफी जायदाद है, मगर इन्तिहाई अफसोस की बात है कि उसकी प्रोपर निगरानी न होने की वजह से उससे खातिरखवाह फायदा नहीं उठाया जा रहा है बल्कि जरूरत इस बात की है कि वक्फ डवलपमेंटल कारपोरेशन कायम किया जाय और इससे जो आमदनी हो सकती है, वह मुसलमानों की फलाहो बैहबूद के लिए, उनकी तालिमी मसाइल, मन्नाषी मसाइल को हल करने के लिए, इस्तेमाल कर सकते हैं। चुनावे हज के मसाइल के ताल्लुक से भी हमने देखा कि पिछले वर्ष ही इसमें मुक्तलिफ किस्म की इरेमूलरिटीज हुई है जरूरत इस बात की है कि हज के उमूर हैं, आँकाफी मसाइल हैं, तालिमी मसाइल हैं—इन सब मसाइल्स की देखभाल के लिए हमारी मरकजी हुकूमत के लेवल पर एक अलहदा मिनिस्ट्री बनायी जाय और वह मिनिस्ट्री एक कबिनेट वजीर के जिम्मे की जाय। साथ ही उसकी एक मुक्तदिर हैसियत हो ताकि वह सही तरीके से उसकी देखभाल करे। वह भी उसी सख्स को दी जाए जो कि इन मसाइल्स से बाकिफ हो और इन मसाइल्स में दिलचस्पी रखता हो।

चुनावे में इस स्पेशल मेंशन के जरिए आपकी इस हुकूमते हिंद से दरखवास्त करूंगा कि वह हमदर्दानी गौर करते हुए अकललियतों की तमाम मसायल की देखभाल के लिए एक अलहदा और इंडिपेंडेंट मिनिस्ट्री कायम करे। शुक्रिया।

1۔ مفتی محمد خلیل الرحمن (آنحضرت پرورش) : مجھے
چیمبر میں نہ مانا۔ جیسا کہ حسب الہی طرح جانتے
ہندوستان ایک ہی ملک ہے اور اس میں
قابل لحاظ تعداد میں اقلیتیں رہتی ہیں اور بعض
اور اقلیتوں کا اطمینان ہمارے ملک کی روح
چھوڑ دیتا اس وقت قائم ہو سکتی ہے۔ جبکہ
کی اقلیتیں اطمینان سے اپنی زندگی میں بسر کر رہی ہیں
ہندوستان کو آزاد جوئے کوئی ۱۰ سال ہو چکا ہے
اس عمر میں اقلیتوں کے مسائل میں بھی دن
اٹھانے پڑا ہے۔ جہاں تک ہندو، انگریز اور
سورج ہے۔ مسلمان عیسائی سکھ پارسی اور
یہ سب مذہبوں کی اقلیتیں کہلاتی ہیں۔ اس
سے انہیں تقریباً ۸۰ فیصد مسلم اقلیت ہے۔ ہندو
اس بات کی ہے کہ ان کے مسائل کی مناسب
موزوں طریقے سے دیکھ بھال کی جائے۔ سرکاری
حکومت اور ریاستی حکومتیں اقلیتوں کی مدد
کیلئے مختلف اعلانات کرتی ہیں اور پروگرام بنا
جینا چاہتے ہیں یہ دیکھا جائے کہ وزیر اعظم کی جانب
میں اقلیتوں کے مفی کے لئے ۱۵ اٹھائی پروگرام
بنائے گئے۔ مگر ان کے ساتھ ساتھ کیا گیا
کہ جس طرح سے اس پروگرام کا اہمیت
جائزہ تھا اس طرح سے پروگرام کا اہمیت
نہیں ہوا۔ اس کی وجہ یہ ہے۔ اس کی وجہ
ہی وہ معلوم ہو رہی ہے کہ ہر وزیر اعلیٰ
پریم فالو اپ نہ ہونے کی وجہ سے اس پروگرام
میں مناسب اہمیت نہیں ہو رہی ہے۔
ان کے علاوہ ہم یہ دیکھ رہے ہیں کہ
جو اٹھائی مسائل ہیں۔ حج کے مسائل ہیں

۱۔ آٹھ قلعی مسائل ہیں۔ معاشی مسائل ہیں۔ ان سب
کے لئے حکومت ہند سے یہ اپیل کرنا ہوں کہ ایک علیحدہ
منسٹری بنائی جائے اور ہر منسٹری تمام مائنسٹریز کے
جیسے ہی ایفیرس ہیں ان سب کو دیکھ بھال کرے۔ یہی
میں سمجھتا ہوں کہ یہ مسائل جو ہیں حل ہو سکتے ہیں۔
ہم یہ دیکھتے ہیں کہ جہاں تک اوتھائی جائزہ
کا سوال ہے ہماری ملک میں کروڑوں اور کروڑوں کی
حکومت کے اوتھائی جائزہ ہے۔ مگر انٹرناٹ افسر
کی جگہ ہے کہ اس پروگرام کی جگہ کی وجہ سے اس
سے خالص خواہ مانڈ نہیں ہو رہی ہے۔ بلکہ ہر وقت اس
بات کی ہے کہ وقف ڈیولپمنٹ کارپوریشن قائم
کیا جائے اور اس سے جو امور ہوں گی۔ وہ مسئلوں
کی مدد کے لئے۔ آٹھ قلعی مسائل۔ معاشی
مسائل کو حل کرنے کے لئے استعمال کر سکتے ہیں۔
پہلے ہی کے مسائل کے تعلق سے ہم نے دیکھا ہے کہ
پچھلے سال ہی اس میں مختلف قسم کی اریگو لٹریچر ہوئی
ہیں۔ ہر وقت اس بات کی ہے کہ حج کے افسر ہیں۔
اوتھائی مسائل ہیں۔ قلعی مسائل ہیں۔ ان سب مسائل
کی دیکھ بھال کیلئے ہماری سرکاری حکومت کے لیول پر ایک
ایک علیحدہ منسٹری بنائی جائے۔ اور وہ منسٹری ایک کابینہ
وزیر کے ذمہ کی جائے۔ ساتھ ہی اس کی ایک مختصر
کمیٹی ہو تاکہ ہر طرح سے اس کی دیکھ بھال کی جائے
اور ایک ایسے وزیر کو دی جائے جو کہ ان مسائل سے
واقف ہو۔ اور ان مسائل میں دلچسپی رکھتا ہو۔
جینا چاہتے ہیں اس اسپیشل سیشن کے ذریعے اور اب
کی صورت حکومت ہند سے درخواست ہو گا کہ وہ ہندو
منہ کر کے جوئے اقلیتوں کے تمام مسائل کی دیکھ بھال
کیلئے ایک علیحدہ منسٹری قائم کرے۔

The Computer in the Department of Physics and Astro Physics of the Centre of Science Education in Delhi University has been hit by virus 'Ashar' which gobbles up valuable space in the floppy disks, destroys stored files and sends wrong messages. Students have been complaining of these abnormal happenings for „the last one month.